NCERT
National Council Of Educational Research And Training

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 17 - बच्चे काम पर जा रहे हैं

IndCareer Schools

indCareer indCareer indCareer

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 17 - बच्चे काम पर जा रहे हैं

Class 9: हिंदी Chapter 17 solutions. Complete Class 9 हिंदी Chapter 17 Notes.

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 17 - बच्चे काम पर जा रहे हैं

NCERT 9th हिंदी Chapter 17, class 9 हिंदी Chapter 17 solutions

पृष्ठ संख्या: 139

प्रश्न अभ्यास

1. कविता की पहली दो पंक्तियों को पढ़ने तथा विचार करने से आपके मन-मस्तिष्क में जो चित्र उभरता है उसे लिखकर व्यक्त कीजिए।

उत्तर

कविता की पहली दो पंक्तियों को पढ़ने तथा विचार करने से बाल मजदूरी का चित्र उभरता है। बच्चों के प्रति चिंता और करूणा का भाव उमड़ता है। छोटी सी उम्र में ही इन्हे अपना और परिवार का पेट भरने के लिए न चाहते हुए भी इन बच्चों को इतना ठंड में सुबह-सुबह उठकर काम पर जाना पड़ रहा है।

2. कवि का मानना है कि बच्चों के काम पर जाने की भयानक बात को विवरण की तरह न लिखकर सवाल के रूप में पूछा जाना चाहिए कि **'**काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे**?'** कवि की दृष्टि में उसे प्रश्न के रूप में क्यों पूछा जाना चाहिए **?**

उत्तर

बच्चो की इस स्थिति का जिम्मेवार समाज है। कवि द्वारा विवरण मात्र देकर उनके जरुरी आवश्यकताओं की पूर्ति नही की जा सकती। इसके लिए लिए समाज को इस समस्या से जागरूक करने के लिए तथा ठोस समाधान ढूँढने के लिए बात को प्रश्न रूप में ही पूछा जाना उचित होगा। लोगो को बैठ विमर्श कर इस समस्या का उचित समाधान करना होगा।

3. सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे वंचित क्यों हैं **?**

उत्तर

सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चों के वंचित रहने के मुख्य कारण सामाजिक व्यवस्था और आर्थिक मज़बूरी है। समाज के गरीब तबके के बच्चों को न चाहते हुए भी अपने माता-पिता का हाथ बँटाना पड़ता है। जहाँ जीविका के लिए इतनी मेहनत करनी पड़े तब सुख-सुविधाओं की कल्पना करना असंभव सा लगता है।

NCERT 9th हिंदी Chapter 17, class 9 हिंदी Chapter 17 solutions

4. दिन-प्रतिदिन के जीवन में हर कोई बच्चों को काम पर जाते देख रहा/रही है**,** फिर भी किसी को कुछ अटपटा नहीं लगता। इस उदासीनता के क्या कारण हो सकते हैं **?**

उत्तर

इस उदासीनता के कई कारण हैं। लोग आत्मकेंद्रित होने के साथ संवेदनहीन भी हो रहे हैं। उन्हें सिर्फ अपने काम से मतलब होता है। दुसरो के कष्टो को वे जानने समझने का प्रयास नही करते। कई लोगो में जागरूकता की भी कमी है। उन्हें यह भी नही पता की पढाई हर बच्चे का मौलिक अधिकार है। वे सिर्फ ईश्वर और बच्चों के भाग्य को दोष देते हैं।

5. आपने अपने शहर में बच्चों को कब-कब और कहाँ-कहाँ काम करते हुए देखा है**?**

उत्तर

मैंने अपने शहर में बच्चों को अनेक स्थलों पर काम करते देखा है। चाय की दुकान पर, होटलों पर, विभिन्न दुकानों पर, घरों में, निजी कार्यालयों में। मैंने उन्हें सुबह से देर रात तक, हर मौसम में काम करते देखा है।

6. बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है**?**

उत्तर

बच्चे इस देश का भविष्य हैं। यदि बच्चे पढ़ लिख नही पाते तब हमारे देश की आने वाली पीढ़ी भी पिछड़ी होगी, देश का भविष्य अंधकारपूर्ण होगा। उन्हें उनके बचपन से वंचित रखना अपराध तथा अमानवीय कर्म है। इसलिए बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान है।

7. काम पर जाते किसी बच्चे के स्थान पर अपने-आप को रखकर देखिए। आपको जो महसूस होता है उसे लिखिए।

उत्तर

आज मुझे स्कूल जाना था। मैंने होम वर्क भी पूरा कर लिया था। परंतु क्या करूं? पिताजी बीमार हैं। माँ उनकी देखभाल में व्यस्त हैं। न पिता काम पर जा पा रहे हैं और न माँ। माँ ने मुझे अपनी जगह बर्तन-सफाई के काम पर भेज दिया। मैं यह काम नहीं करना चाहती और उस मोटी आंटी के घर में तो बिलकुल नहीं करना चाहती जिसने दरवाजे पर कुत्ता बाँध रखा है। मेरे घुसते ही कुत्ता भौंकने लगता है। डरते-डरते अंदर जाती हूँ तो मालकिन ऐसे पेश आती है जैसे मैं लड़की ने हूँ, बल्कि उसकी खरीदी हुई गुलाम हूँ। सच कहूँ, मुझे ग्लानि होती है। अगर मजबूरी न होती, तो मैं काम-धंधे की ओर मुड़कर भी न देखती।

NCERT 9th हिंदी Chapter 17, class 9 हिंदी Chapter 17 solutions

पृष्ठ संख्या: 140

रचना और अभिव्यक्ति

8. आपके विचार से बच्चों को काम पर क्यों नहीं भेजा जाना चाहिए **?** उन्हें क्या करने के मौके मिलने चाहिए **?**

उत्तर

मेरे विचार से बच्चों को काम पर बिलकुल नहीं भेजा जाना चाहिए। कारण बच्चों की ऊम्र कच्ची होती है। उनके मन भावुक है। बचपन खेलने-खाने और सीखने की उम्र होती है। उन्हें पर्याप्त कोमलता और संरक्षण की आवश्यकता होती है।

बच्चों को काम पर भेजना उनके बचपन को छीनना है। इसके चलते वे खेल, शिक्षा, और जीवन की उमंग से वंचित रह जाते हैं। उससे उनका शोषण होता है। इसलिए बचपन में सभी को पढ़ने, खेलने-कूदने का अवसर मिलने के साथ-साथ अन्य सुविधाएँ भी समान रूप में उपलब्ध होनी चाहिए।

NCERT 9th हिंदी Chapter 17, class 9 हिंदी Chapter 17 solutions

Chapterwise NCERT Solutions for Class 9 हिंदी :

- पाठ 1- दो बैलों की कथा
- पाठ 2 - ल्हासा की ओर
- पाठ 3 – उपभोक्तावाद की संस्कृति
- पाठ 4 – साँवले सपनों की याद
- पाठ 5 – नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया
- पाठ 6 – प्रेमचंद के फटे जूते
- पाठ 7 – मेरे बचपन के दिन
- पाठ 8 – एक कुत्ता और एक मैना
- पाठ 9 – साखियाँ एवं सबद
- पाठ 10 – वाख
- पाठ 11- सवैये
- पाठ 12 – कैदी और कोकिला
- पाठ 13 – ग्राम श्री
- पाठ 14 – चंद्र गहना से लौटती बेर
- पाठ 15 – मेघ आए
- पाठ 17 – बच्चे काम पर जा रहे हैं

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc.Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices;collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education.In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education.Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. Visit the Official NCERT website to learn more.